पत्रकारिता (जनसंचार) स्नात्कोत्तर उपाधि	**कार्यक्रम कोड : एमजे(एमसी)**
Master of Journalism (Mass Communication)	**Programme Code : MJ(MC)**

उद्देश्य (Objectives) :

- जनसंचार सिद्धान्तों के सांगोपांग अध्ययन को सुदृढ़ आधार देना।
- जनसंचार माध्यमों के संबंध में शोध प्रशिक्षण एवं सतत् अध्ययन को गति देना।
- जनसंचार की प्रक्रियाओं को व्यावहारिक उपयोग में लाने के लिए प्रशिक्षण देना।
- मीडिया के विभिन्न क्षेत्र विशेष में रूचि के अनुसार दक्षता पर जोर देना।
- मीडिया की विभिन्न अवधारणाओं और समस्याओं से परिचित कराना।
- एक जनसंचारकर्मी एवं पत्रकार के लिए मुद्रित माध्यमों यथा पत्र–पत्रिकाओं आदि से लेकर रेडियो, टेलीविजन, समाचार एजेन्सियों, जनसम्पर्क विभागों एवं कार्पोरेट संस्थानों में रोजगार प्राप्ति के योग्य बनाना।

प्रवेश योग्यता (Admission Eligibility) :

बैचलर ऑफ जर्नलिज्म एण्ड मास कम्यूनिकेशन बी.जे. (एम.सी.)/बैचलर ऑफ जर्नलिज्म (बी.जे.)/स्नातक के साथपी.जी.डिप्लोमा इन जर्नलिज्म अथवा समकक्ष मान्य विश्वविद्यालय की पत्रकारिता एवं जनसंचार की उपाधि।

अवधि (Duration) : न्यूनतम अवधि 2 वर्ष ; अधिकतम 6 वर्ष

माध्यम (Medium) : पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध

श्रेयांक (Credit) : 72
एम.जे. (एम.सी.) पूर्वार्द्ध 32
एम.जे.(एम.सी.) उत्तरार्द्ध 40

शुल्क (Fee) : एम.जे. (एम. सी.) (पूर्वार्द्ध) रू. 7500/–
: एम.जे. (एम. सी.) (उत्तरार्द्ध) रू. 7500/–

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

एम.जे. (एम.सी.) पूर्वार्द्ध में कुल चार पाठ्यक्रम होंगे जबकि उत्तरार्द्ध में कुल पाँच पाठ्यक्रम होंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थियो को हिन्दी माध्यम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवायी जाएगी।

एमजे (एमसी) पूर्वार्द्ध

तालिका – 1

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	जन संचार माध्यमों के लिए लेखन *Writing for Mass Media*	एमजे(एमसी)–01 *MJ (M C)-01*	*8*
2.	फीचर लेखन एवं पत्रिका संपादन *Feature Writing and Magazine Editing*	एमजे(एमसी)–02 *MJ (MC)-02*	*8*
3.	जनसंचार शोध प्रविधि *Mass Communication Research Methodology*	एमजे(एमसी)–03 *MJ (MC)-03*	*8*
4.	जनसंचार के सिद्धान्त *Principles of Mass Communication*	एमजे(एमसी)–04 *MJ(MC)-04*	*8*

एम.जे. (एम.सी.) उत्तरार्द्ध

एम.जे. (एम.सी.) उत्तरार्द्ध में विद्यार्थी को कुल 5 पाठ्यक्रम लेने होंगे। उसमें से तालिका संख्या–2 में दिये गये दोनों पाठ्यक्रम अनिवार्य है। अन्य तीन पाठ्यक्रमों का चयन तालिका संख्या–3 में से करना है। इस तालिका में कुल 5 पाठ्यक्रम दिये गये हैं। विद्यार्थी अपनी रूचि के अनुसार किन्ही तीन पाठ्यक्रमों का चयन करे। एम.जे. (एम.सी.) उत्तरार्द्ध पाठ्यक्रम में लघु शोध प्रबंध पाठ्यक्रम कोड एम.जे. (एम.सी.)–10 वही विद्यार्थी ले सकेंगे जिन्होंने बी.जे. (एम.सी.)/बी.जे./पी.जी. डिप्लोमा इन जर्नलिज्म में 60% अथवा अधिक अंक प्राप्त किये हो।

तालिका – 2

क्र.सं. (S.No)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1	दृश्य–श्रव्य जनसंचार प्रविधि *Audio-Visual Communication Technology*	एमजे (एमसी)–06 *MJ (MC)-06*	8
2	परियोजना कार्य (प्रोजेक्ट) *Project Work*	एमजे (एमसी)–11 *MJ (MC)-11*	8

तालिका – 3

किन्ही तीन पाठ्यक्रमों का चयन कीजिए:–

क्र.सं. (S.No)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1	विश्व का समाचार जगत *The World Press*	एमजे (एमसी)–05 *MJ (MC)-05*	8
2	विकासात्मक जनसंचार *Developmental Communication*	एमजे (एमसी)–07 *MJ (MC)-07*	8
3	ग्रामीण एवं पर्यावरण पत्रकारिता *Rural and Environment Journalism*	एमजे (एमसी)–08 *MJ (MC)-08*	8
4	मुद्रण, प्रकाशन एवं जनसंचार प्रबंधन *Printing, Publishing and Mass Communication Management*	एमजे(एमसी)–09 *MJ (MC)-09*	8
5	लघु शोध प्रबंध (प्रदत्त विषय पर) *बी.जे. (एम.सी.)/बी.जे./पी.जी. डिप्लोमा इन जर्नलिज्म में 60% अथवा अधिक अंक प्राप्त किये हो। *Dissertation*	एमजे (एमसी)–10 *MJ (MC)-10*	8

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

सत्रीय गृहकार्य : प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम में दो सत्रीय गृहकार्य दिये जाएंगे। सत्रीय कार्य पूर्ण करके संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र पर जमा करवाना होगा।

संत्रात (मुख्य) परीक्षा : न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम में तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। इस कार्यक्रम में उत्तीर्णांक 40 प्रतिशत है। विद्यार्थियों को दोनों परीक्षाओं में अलग–अलग (सत्रीय एवं सत्रांत) उत्तीर्ण होना

आवश्यक होगा। किसी एक पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम 36% अंक सत्रीय एवं सत्रांत दोनों परीक्षाओं में अलग–अलग लाना अनिवार्य है। लेकिन सम्पूर्ण कार्यक्रम में सफलता प्राप्त करने के लिये न्यूनतम कुल प्राप्तांक सत्रीय एवं संत्रात परीक्षा को मिलाकर 40 प्रतिशत अंक अनिवार्य होंगे। अर्थात 900 में से 360 अंक आवश्यक होंगे। पाठ्यक्रम लघु शोध प्रबंध एमजे (एमसी)–10 एवं पाठ्यक्रम परियोजना कार्य (प्रोजेक्ट)एमजे (एमसी)–11 में सत्रीय गृहकार्य नहीं दिया जाएगा एवं इन दोनो पाठ्यक्रमों के प्रत्येक के अधिकतम अंक 100 होंगे। सफल विद्यार्थियों को निम्नानुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी।

प्रथम श्रेणी	–	60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण	–	40% एवं 48% से कम

एमजे (एमसी) पूर्वार्द्ध परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।